भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2869
दिनांक 12 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए

कुपोषित बच्चे

2869. श्री नरेन्द्र कुमार:

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत में कुपोषण दुनिया भर की तुलना में सबसे अधिक व्यापक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि 3 वर्ष से कम आयु के 44 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और राजस्थान सहित इस तरह के बच्चों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ग) कुपोषित बच्चों की सबसे अधिक संख्या वाले राज्यों के नाम और ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) से (घ) : रिपोर्टों के अनुसार, भारत में कुपोषण का प्रसार विश्व में सर्वाधिक नहीं है। एनएफएचएस-3 के अनुसार, 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में ठिगनेपन और अल्पवज़न का प्रसार क्रमश: 44.9% और 40.4% है। राजस्थान सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

तथापि, एनएफएचएस-4(2015-16) और सीएनएनएस(2016-18) के आंकड़ों के अनुसार देश में बच्चों में कुपोषण का प्रसार कम हुआ है। एनएफएचएस-4 की रिपोर्ट के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के 35.7% बच्चे अल्पवज़नी और 38.4% ठिगने हैं। व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण(सीएनएनएस) (2016-18) की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों में अल्पवज़न और ठिगनेपन का प्रसार क्रमश: 33.4% और 34.7% है, जो एनएफएचएस-4 द्वारा सूचित स्तरों की तुलना में कमी का सूचक है।

सरकार ने स्वास्थ्य, कल्याण और रोगों तथा कुपोषण के प्रति प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ावा देने वाली विकासशील पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पोषक सामग्री, प्रदायगी, पहुँच और परिणामों को सशक्त बनाने के लिए कदम उठाए हैं। पोषक गुणवत्ता और प्रत्यायित प्रयोगशालाओं में परीक्षण में सुधार लाने, प्रदायगी को सशक्त बनाने और गवर्नेंस में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि पूरक पोषण की गुणवत्ता खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 और उसके तहत बनाए गए विनियमों के अंतर्गत निर्धारित मानकों के अनुसार हो। आहार विविधता के अंतर की पूर्ति करने और पारंपरिक ज्ञान तथा आयुष पद्धतियों का प्रयोग करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका के विकास को सहयोग देने के लिए एक कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है।

*****

अनुलग्नक

श्री नरेन्द्र कुमार द्वारा दिनांक 12 मार्च, 2021 को लोक सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2869 के उत्तर के भाग(क) से (घ) में संदर्भित विवरण

एनएफएचएस-3 (2005-06) के अनुसार 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अल्पवज़न और ठिगनेपन का प्रसार

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ठिगनापन(%)	अल्पवज़न(%)
1	आंध्र प्रदेश	38.4	29.8
2	अरुणाचल प्रदेश	37	29.7
3	असम	41.1	35.8
4	बिहार	50.1	54.9
5	छत्तीसगढ	52.6	47.8
6	दिल्ली	43.2	24.9
7	गोवा	25.9	21.3
8	गुजरात	49.2	41.1
9	हरियाणा	43.3	38.2
10	हिमाचल प्रदेश	34.3	31.1
11	जम्मू और कश्मीर	31.1	24
12	झारखंड	47.2	54.6
13	कर्नाटक	42.4	33.3
14	केरल	26.5	21.1
15	मध्य प्रदेश	46.5	57.9
16	महाराष्ट्र	44	32.7
17	मणिपुर	29	19.5
18	मेघालय	47.7	42.9
19	मिजोरम	35.1	14.2
20	नागालैंड	34.1	23.7
21	ओडिशा	43.9	39.5
22	पंजाब	34.7	23.63
23	**राजस्थान**	**40.1**	**36.8**
24	सिक्किम	31.8	17.3
25	तमिलनाडु	31.1	25.9
26	त्रिपुरा	34.1	35.2
27	उत्तर प्रदेश	52.4	41.6
28	उत्तराखंड	39.6	31.7
29	पश्चिम बंगाल	41.8	37.6